27.07.2022

मोजाम्बिक गणराज्य की संसद की अध्यक्ष महामहिम सुश्री एस्पे-रान्साबियास के सम्मान में आयोजित भोज के दौरान माननीय अध्यक्ष, लोक सभा का सम्बोधन।

मोज़ाम्बिक गणराज्य की असेम्बली की अध्यक्ष महामहिम, माननीय एस्पे-रान्साबियास जी;

मोजाम्बिक गणराज्य की असेम्बली के माननीय सदस्यगण;

भारत सरकार के मंत्रीगण एवं सांसदगण;

---

1. आप सबका इस स्वागत भोज पर अभिनंदन है, स्वागत है।

2. भारत की जनता और संसद की ओर से महामहिम माननीय एस्पे-रान्साबियास जी और आपके संसदीय शिष्टमंडल के माननीय सदस्यों का स्वागत करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि आपकी भारत यात्रा सुखद और आनंददायक होगी।

3. महामहिम, भारत और मोजाम्बिक के बीच ऐतिहासिक रूप से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। गत वर्षों में नियमित राजनीतिक संपर्कों, निरंतर गहराते आर्थिक संबंध और मोजाम्बिक में भारतीय समुदाय की सक्रिय उपस्थिति के आधार पर हमारे संबंध और सशक्त हुए हैं।

4. महामहिम, भारत के नागरिकों के मानस-पटल पर अफ्रीका का विशेष स्थान है क्योंकि हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अफ्रीका की धरती से ही सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के प्रयोग आरंभ किए थे, जो आज समस्त मानवता को सत्य, अहिंसा एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की प्रेरणा देता है।

5. महामहिम, हमारे बीच संसदीय सहयोग से हमारे मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंधों में एक और आयाम जुड़ा है। मेरा मानना है कि हमें नियमित रूप से ऐसे संसदीय आदान-प्रदान और यात्राएं करती रहनी चाहिए।

6. ये आदान-प्रदान न केवल हमारे संबंधों को गहराई प्रदान करते हैं बल्कि हमारे संबंधों को एक जीवंत साझेदारी में बदलते हैं। संसदीय शिष्टमंडलों के आदान-प्रदान से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होते हैं और दोनों देशों की जनता के बीच आपसी संपर्क भी बढ़ता है। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के संपर्क से हमारे देशों की संसदों और लोगों के बीच नजदीकी बढ़ेगी और हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे।महामहिम, मैं भारत में आपके सुखद प्रवास की कामना करता हूँ।

7. मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भारत और मोजाम्बिक गणराज्य के बीच मित्रता और प्रगाढ़ होगी। धन्यवाद।

———